छत्तीसगढ़ महिला सामाख्या सोसायटी

नजरिया

प्रस्तावना :-

छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के जीवन के लिए ऐसा अनुभव वातावरण तैयार करना जिससे कि वे समसत मानव अधिकारों को प्राप्त करते हुए बराबरी का जीवन जी सके, किसी प्रकार के अवसर से वंचित न हो सके एवं आत्मनिर्भरता पर आधारित जीवन जी सकें ।

दूरगामी लक्ष्य :-

महिला सामाख्या छत्तीसगढ़ में महिला सबलीकरण की ऐसी बेहतर उपलब्धियॉं हासिल करने के लिए आवश्यक कार्यक्रम, गतिविधियॉं व योजना-परियोजनाएँ तैयार कर संचालित करेगी, जिससे निम्नवत् सामाजिक स्थिति का निर्माण हो सके :-

- प्रदेश में स्त्रियों की संख्या कम से कम पुरूषों के बराबर हो ।
- प्रदेश के सभी महिलाओं को पर्याप्त शैक्षणिक अवसर एवं शैक्षणिक उन्नति प्राप्त हो । महिलाओं के स्वास्थ्य स्थिति बेहतर हो तथा समस्त स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पूर्ण पहुँच हो व सेवाएँ उन्हें उपलब्ध हो ।
- प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी कारणों से एवं समस्त रोके जा सकने वाले कारणों से महिलाओं की मौत पर अंकुश लगे ।
- महिलाओं की पोषण स्थिति पुरूषों की अपेक्षा बेहतर या बराबर की स्थिति में हो ।
- प्रदेश के महिलाएँ किसी प्रकार की शोषण, हिंसा या उत्पीड़न की शिकार न बने ।
- प्रदेश में जीवनयापन या जीवन शैली सुधार के लिए आवश्यक समस्त संसाधन जुटाने हेतु महिलाओं को रोजगार या पेशा उपलब्ध हो ।
- महिलाओं को अपनी दक्षता एवं कौशल को अधिकतम् दशा में पहुँचाने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन, प्रशिक्षण या क्षमता विकास का अन्य आयाम प्राप्त हो ।
- राजनीतिक, प्रशासनिक या स्थानीय स्वशासन से संबंधित विभिन्न संरचनाओं में अवसर प्राप्ति से महिलाएँ वंचित न हो ।
- कला, संस्कृति, खेलकूद एवं सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं को उच्चतम अवसर मिल सके तथा उनकी हर प्रकार की प्रतिभाओं का सामाजिक स्तर पर पहचान और सम्मान मिल सके ।
- समाज में पुरूष वर्ग की इतनी जागरूकता हो कि वे महिलाओं के अधिकार एवं समतापूर्वक सामाजिक स्थिति को आदर कर सकें व उसके लिए आना योगदान दे सकें ।
- उपरोक्त सभी के लिए महिलाएँ संगठित हो व उन्हें सामाजिक व व्यक्तिगत चेतना विकास के लिए अनुकूल मंच प्राप्त हो ।